माता का आँचल

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» लेखक-परिचय: शिवपूजन सहाय

प्रश्न 1 (आसान). शिवपूजन सहाय जी के बचपन का क्या नाम था?
उत्तर – उनके बचपन का नाम भोलानाथ था।

प्रश्न 2 (आसान). उन्होंने किस आंदोलन के प्रभाव से सरकारी नौकरी छोड़ी?
उत्तर – असहयोग आंदोलन के प्रभाव से।

प्रश्न 3 (मध्यम). शिवपूजन सहाय जी की कोई दो प्रमुख गद्य-कृतियों के नाम बताइए।
उत्तर – उनकी प्रमुख गद्य-कृतियाँ हैं: देहाती दुनिया और वे दिन वे लोग।

प्रश्न 4 (कठिन). शिवपूजन सहाय जी ने किन-किन प्रतिष्ठित पत्रिकाओं का संपादन किया?
उत्तर – उन्होंने जागरण, हिमालय, माधुरी, बालक जैसी कई पत्रिकाओं का संपादन किया और 'मतवाला' पत्रिका के संपादक-मंडल में भी थे।

» भोलानाथ का अपने पिता के साथ संबंध

प्रश्न 5 (आसान). भोलानाथ को उनके पिताजी किस नाम से पुकारते थे?
उत्तर – भोलानाथ

प्रश्न 6 (आसान). भोलानाथ अपने पिता को क्या कहकर बुलाते थे?
उत्तर – बाबू जी

प्रश्न 7 (मध्यम). भोलानाथ अपने पिता के साथ गंगा किनारे क्या करने जाते थे?
उत्तर – मछलियों को आटे की गोलियां खिलाने।

प्रश्न 8 (कठिन). पिता-पुत्र के संबंध में कुश्ती के खेल का क्या महत्व था?
उत्तर – कुश्ती का खेल पिता-पुत्र के बीच दोस्ती, शारीरिक जुड़ाव और स्नेह को दर्शाता था। पिताजी जानबूझकर हार जाते थे ताकि भोलानाथ को जीत की खुशी मिले और वे उसके साथ बच्चों जैसे खेलते थे।

» माँ का वात्सल्य और भोजन कराने का ढंग

प्रश्न 9 (आसान). भोलानाथ की माँ उसे कैसे कपड़े पहनाती थीं?
उत्तर – माँ उसे कड़वा तेल लगाकर, नाभि और लिलार में काजल की बिंदी लगाकर, चोटी गूँथकर फूलदार लट्टू बांधकर रंगीन कुरता-टोपी पहनाती थीं।

प्रश्न 10 (आसान). भोजन खिलाते समय माँ पिताजी से क्या कहती थीं?
उत्तर – माँ पिताजी से कहती थीं कि वे बच्चे को खिलाने का ढंग नहीं जानते, क्योंकि वे छोटे-छोटे कौर देते हैं। माँ कहती थीं कि बच्चे को भर-मुंह कौर खिलाना चाहिए।

प्रश्न 11 (मध्यम). माँ अपने बच्चे को भोजन कराने के लिए कौन सा सूत्र बताती हैं?
उत्तर – माँ कहती थीं, 'जब खाएगा बड़े-बड़े कौर, तब पाएगा दुनिया में ठौर।' इसका मतलब है कि जब बच्चा अच्छे से खाएगा, तभी वह स्वस्थ और मज़बूत बनेगा और दुनिया में अपनी जगह बना पाएगा।

प्रश्न 12 (कठिन). भोलानाथ साँप को देखकर सीधे अपनी माँ के पास क्यों भागा, पिताजी के पास क्यों नहीं गया?
उत्तर – जब भोलानाथ सांप को देखकर डरा, तो वह सीधा अपनी माँ के आँचल में छिपा क्योंकि संकट के समय में एक बच्चा अपनी माँ के पास ही सबसे अधिक सुरक्षित महसूस करता है। माँ की ममता और सुरक्षा की भावना बच्चे के लिए सबसे बड़ी ढाल होती है, भले ही पिताजी भी पास हों।

» माँ द्वारा भोलानाथ का श्रृंगार

प्रश्न 13 (आसान). माँ भोलानाथ के सिर पर कौन सा तेल डालती थीं?
उत्तर – कड़वा तेल

प्रश्न 14 (आसान). भोलानाथ को तैयार होने में क्या अच्छा नहीं लगता था?
उत्तर – तेल लगवाना

प्रश्न 15 (मध्यम). माँ भोलानाथ की चोटी में क्या बांधती थीं?
उत्तर – फूलदार लट्टू

प्रश्न 16 (कठिन). भोलानाथ श्रृंगार के बाद किसकी गोद में सिसकते-सिसकते बाहर आता था?
उत्तर – बाबू जी की गोद में

» बच्चों के ग्रामीण खेल और नाटक

प्रश्न 17 (आसान). बच्चे मिठाई की दुकान के खेल में 'मिठाइयाँ' किस चीज़ से बनाते थे?
उत्तर – पत्ते, ढेले, गीली मिट्टी, फूटे घड़े के टुकड़े

प्रश्न 18 (आसान). घरौंदा बनाते समय बच्चे दीया और बाबूजी की आचमनी का क्या उपयोग करते थे?
उत्तर – दीया कड़ाही बनता था और आचमनी कलछी।

प्रश्न 19 (मध्यम). भोलानाथ के खेल सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि उनके सीखने का तरीका भी थे। उदाहरण देकर समझाओ।
उत्तर – इन खेलों से वे समाज के कामों को समझते थे, जैसे दुकान चलाना, घर बनाना, शादी करना, खेती करना। इससे उनकी कल्पना शक्ति और सामाजिक समझ बढ़ती थी।

प्रश्न 20 (कठिन). लेखक ने बच्चों के ग्रामीण खेलों का वर्णन करते हुए गाँव की किन चीज़ों का इस्तेमाल दिखाया है, जो आज के शहरी बच्चों को शायद ही मिलें?
उत्तर – लेखक ने मिट्टी, धूल, कंकड़, पत्ते, तिनके, दियासलाई की पेटी, कनस्तर, चूहेदानी जैसी ग्रामीण चीज़ों का इस्तेमाल दिखाया है। शहरी बच्चों को ऐसे खुले मैदान और इन चीज़ों से खेलने का मौका कम मिलता है।

» मूसन तिवारी का प्रसंग और गुरु जी की पाठशाला

प्रश्न 21 (आसान). भोलानाथ और उसके साथियों ने किसे चिढ़ाया?
उत्तर – मूसन तिवारी को।

प्रश्न 22 (आसान). चिढ़ाने वाला नारा क्या था?
उत्तर – बुढ़वा बेईमान माँगे करैला का चोखा।

प्रश्न 23 (मध्यम). शिकायत करने के बाद गुरु जी ने क्या किया?
उत्तर – गुरु जी ने बच्चों को पकड़ने के लिए सिपाही भेजे और भोलानाथ की खूब पिटाई की।

प्रश्न 24 (कठिन). इस घटना से बच्चों को क्या सीख मिली होगी?
उत्तर – इस घटना से बच्चों को यह सीख मिली होगी कि दूसरों का अनादर नहीं करना चाहिए और शरारत की भी एक सीमा होती है, वरना उसके बुरे परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

» साँप का डर और माँ की शरण

प्रश्न 25 (आसान). भोलानाथ और उसके साथी कौन-सा खेल खेल रहे थे जब उन्होंने साँप देखा?
उत्तर – वे टीले पर चूहों के बिल से पानी उलीच रहे थे।

प्रश्न 26 (आसान). बच्चे साँप को देखकर किस ओर भागे?
उत्तर – वे जान बचाकर अपने घर की ओर भागे।

प्रश्न 27 (मध्यम). चोट लगने के बावजूद बच्चों ने अपने बाबूजी की पुकार क्यों नहीं सुनी?
उत्तर – बच्चे साँप के डर से इतने सहमे और घायल थे कि उन्हें सिर्फ अपनी माँ का आँचल ही सबसे सुरक्षित जगह लगा, जहाँ उन्हें सांत्वना मिल सकती थी। बाबूजी की आवाज़ उन्हें उस वक्त कोई सहारा नहीं दे पाई।

प्रश्न 28 (कठिन). इस घटना से माँ और बच्चे के रिश्ते की क्या विशेषता उजागर होती है?
उत्तर – यह घटना माँ और बच्चे के बीच के अटूट रिश्ते को उजागर करती है। माँ का आँचल बच्चे के लिए न केवल शारीरिक सुरक्षा का प्रतीक है, बल्कि भावनात्मक और मानसिक शांति का भी। बड़े से बड़े संकट में भी बच्चा सबसे ज़्यादा सुरक्षित अपनी माँ की गोद में ही महसूस करता है।

» माता का आँचल: प्रेम और शांति का प्रतीक

प्रश्न 29 (आसान). कहानी में 'माता का आँचल' किस भावना को दर्शाता है?
उत्तर – प्रेम, सुरक्षा और शांति की भावना को।

प्रश्न 30 (आसान). संकट के समय बच्चे सबसे पहले किसकी शरण में जाते हैं?
उत्तर – अपनी माँ की शरण में।

प्रश्न 31 (मध्यम). भोलानाथ की माँ ने डरने पर उसके लिए क्या-क्या किया, जिससे उसे शांति मिली?
उत्तर – माँ ने उसे गले लगाया, घावों पर हल्दी लगाई और उसे सांत्वना दी, जिससे उसे मानसिक और शारीरिक शांति मिली।

प्रश्न 32 (कठिन). आपको क्यों लगता है कि पिता का प्यार होने के बावजूद बच्चा विपदा में माँ को ही चुनता है?
उत्तर – क्योंकि पिता का प्यार अक्सर अनुशासन और बाहरी सुरक्षा से जुड़ा होता है, जबकि माँ का प्यार निस्वार्थ ममता, भावनात्मक सहारा और आंतरिक शांति प्रदान करता है, जो संकट के समय सबसे अधिक ज़रूरी होता है।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. शिवपूजन सहाय जी का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

› हमें यह ध्यान रखना होगा कि लेखक परिचय में लेखक के जन्म स्थान और जन्म तिथि की जानकारी दी जाती है।
› पाठ्यपुस्तक के अनुसार, उनका जन्म वर्ष 1893 में हुआ था।
› उनके जन्म स्थान के बारे में बताया गया है कि वह बिहार के भोजपुर ज़िले के उनवाँस गाँव में हुआ था।

उत्तर – शिवपूजन सहाय जी का जन्म सन् 1893 में बिहार के भोजपुर ज़िले के उनवाँस गाँव में हुआ था।

उदाहरण 2. भोलानाथ और उनके पिता की दिनचर्या के किन्हीं दो ऐसे पलों का वर्णन करें जो उनके गहरे संबंध को दर्शाते हों।

› पहला पल: भोलानाथ का अपने पिता के साथ सुबह पूजा में बैठना। पिताजी जब रामायण पढ़ते तो भोलानाथ आइने में अपना मुँह निहारता था। जब पिताजी देखते तो वह शरमा कर आइना नीचे रख देता और पिताजी मुस्कुरा देते। यह दिखाता है कि पिता उसे डाँटते नहीं थे, बल्कि बच्चे की मासूमियत का आनंद लेते थे।

› दूसरा पल: कुश्ती लड़ना। पिताजी भोलानाथ के साथ कुश्ती लड़ते थे और जानबूझकर हार जाते थे ताकि भोलानाथ को जीतने का आनंद मिले। वे उसे अपनी मूँछें उखाड़ने देते और फिर प्यार से उसके गालों पर दाढ़ी गड़ाकर मीठे-खट्टे चुम्मे लेते थे। यह खेल उनके बीच के गहरे प्यार, दुलार और शरारती दोस्ती को दर्शाता है।

उत्तर – भोलानाथ और उनके पिता पूजा के समय आइना निहारने और कुश्ती लड़ने जैसे पलों में गहरे संबंध को साझा करते थे, जहाँ पिता बच्चे की हर शैतानी को प्यार से स्वीकारते और उसका हिस्सा बनते थे।

उदाहरण 3. माँ भोलानाथ को खाना खिलाते समय कौन-कौन सी चीज़ों के नाम लेती थीं और ऐसा क्यों करती थीं?

› माँ थाली में दही-भात सानती थीं।

› वे उसे तोता, मैना, कबूतर, हंस, मोर आदि पक्षियों के नाम से कौर बनाकर खिलाती थीं।

› वे कहती थीं कि जल्दी खा लो, नहीं तो ये पक्षी उड़ जाएँगे।

› ऐसा करने से भोलानाथ उत्साह से जल्दी-जल्दी खा लेता था, क्योंकि बच्चों को खेल-खेल में खाना ज्यादा पसंद आता है, और माँ ऐसा उसके पेट भरने के लिए करती थीं।

उत्तर – माँ भोलानाथ को तोता, मैना, कबूतर, हंस, मोर जैसे पक्षियों के नाम से कौर बनाकर खिलाती थीं, ताकि भोलानाथ खेल-खेल में खुश होकर पूरा पेट भर के खाना खा ले, और उसे पता भी न चले कि उसने कितना खा लिया।

उदाहरण 4. भोलानाथ को उसकी माँ कैसे सजाती थीं? शृंगार की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

› पहले, माँ भोलानाथ के लाख छटपटाने पर भी, एक चुल्लू कड़वा तेल उसके सिर पर डाल देती थीं और उसे अच्छे से मलती थीं (उबटकर)।

› इसके बाद, वे उसकी नाभि और लिलार (माथे) पर काजल की बिंदी लगाती थीं।

› फिर, भोलानाथ की चोटी गूंथती थीं और उसमें फूलदार लट्टू बांधती थीं।

› आखिर में, उसे रंगीन कुर्ता और टोपी पहनाती थीं, जिससे वह 'कन्हैया' जैसा लगने लगता था।

उत्तर – भोलानाथ की माँ उसे तेल लगाकर, काजल की बिंदी लगाकर, चोटी गूंथकर उसमें फूलदार लट्टू बांधकर और रंगीन कुर्ता-टोपी पहनाकर एक छोटे 'कन्हैया' की तरह सजाती थीं।

उदाहरण 5. भोलानाथ और उसके साथी कौन-कौन से मुख्य नाटक खेलते थे, उनमें इस्तेमाल होने वाली चीजों के दो उदाहरणों के साथ बताओ?

› सबसे पहले, वे 'मिठाई की दुकान' का खेल खेलते थे।

› इसमें वे पत्तों की पूड़ी-कचौड़ी और गीली मिट्टी की जलेबियाँ बनाते थे।

› फिर वे 'घरौंदा' (घर-घर) बनाते थे।

› घरौंदे में धूल की दीवारें और तिनकों का छप्पर होता था।

› वे 'बारात' भी निकालते थे।

› बारात में कनस्तर का तंबूरा और टूटी चूहेदानी की पालकी बनती थी।

› आखिर में, वे 'खेती' का खेल भी खेलते थे।

› खेती में चबूतरा खेत बन जाता था और कंकड़ बीज का काम करते थे।

उत्तर – भोलानाथ और उसके साथी मिठाई की दुकान, घरौंदा, बारात और खेती के नाटक खेलते थे। मिठाई की दुकान में पत्तों की पूड़ी-कचौड़ी और गीली मिट्टी की जलेबियाँ होती थीं, घरौंदे में धूल की दीवारें और तिनकों का छप्पर होता था, बारात में कनस्तर का तंबूरा और चूहेदानी की पालकी होती थी, और खेती में चबूतरा खेत बनता था और कंकड़ बीज होते थे।

उदाहरण 6. मूसन तिवारी का प्रसंग और गुरु जी की पाठशाला वाली घटना में बच्चों ने क्या गलती की और उसका क्या परिणाम हुआ?

› सबसे पहले, बच्चों ने रास्ते में मूसन तिवारी नाम के एक बूढ़े व्यक्ति को चिढ़ाना शुरू किया.

› बैजू ने उन्हें 'बुढ़वा बेईमान माँगे करैला का चोखा' कहकर चिढ़ाया और बाकी बच्चों ने भी उसका साथ दिया.

› मूसन तिवारी जी ने पाठशाला में जाकर गुरु जी से शिकायत कर दी.

› गुरु जी ने बच्चों को पकड़ने के लिए सिपाही भेजे, बैजू तो भाग गया पर भोलानाथ पकड़े गए.

› गुरु जी ने भोलानाथ की खूब पिटाई की, जिससे उन्हें चोटें आईं और वे डर गए.

उत्तर – बच्चों ने एक बूढ़े व्यक्ति को चिढ़ाकर उनका अनादर किया, जिसका परिणाम गुरु जी से पिटाई और शारीरिक चोट के रूप में सामने आया, जिससे उन्हें बहुत डर भी लगा.

उदाहरण 7. साँप को देखकर बच्चे किस प्रकार भयभीत हुए और उन्होंने किसकी शरण ली?

› बच्चों ने चूहों के बिल से पानी उलीचते समय अचानक एक साँप को देखा।

› साँप को देखते ही सभी बच्चे डर के मारे जोर-जोर से रोते हुए बेतहाशा भागने लगे।

› भागते हुए वे एक-दूसरे से टकराए, गिरे-पड़े, जिससे उनके सिर फूटे, दाँत टूटे और सारा शरीर काँटों से छलनी हो गया।

› घर पहुँचकर उन्होंने अपने बाबूजी की आवाज़ को भी अनसुना कर दिया और सीधा अपनी माँ की गोद में जाकर छिप गए।

उत्तर – साँप को देखकर बच्चे अत्यधिक भयभीत हो गए, गिरते-पड़ते भागे और लहूलुहान होकर भी अपने पिता की बजाय अपनी माँ की गोद में ही सुरक्षा और शांति प्राप्त की।

उदाहरण 8. भोलानाथ साँप से डरकर पिता के पास क्यों नहीं गया, बल्कि सीधा माँ के आँचल में क्यों छिप गया?

› भोलानाथ ने अपने पिता के साथ बहुत शरारतें की थीं और वे उनके प्रिय थे।

› पर जब अचानक साँप देखकर 'मृत्यु' जैसा डर मन में समा गया, तो उसे किसी 'शरण' की ज़रूरत थी।

› पिताजी शायद उसकी चोट पर दवा लगाते, पर माँ का आँचल उसे सिर्फ़ शारीरिक नहीं, मानसिक सुरक्षा और भावनात्मक शांति देता।

› माँ के स्पर्श में जो निस्वार्थ प्रेम और ममत्व होता है, वही उसे उस क्षण सबसे ज़रूरी लगा।

उत्तर – इसलिए, वह अपने पिता के बजाय अपनी माँ के आँचल में गया, जहाँ उसे सबसे अधिक प्रेम, सुरक्षा और मानसिक शांति मिली।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• लेखक परिचय से संबंधित प्रश्न बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछे जाते हैं, खासकर उनका जन्म स्थान, जन्म तिथि, बचपन का नाम और प्रमुख रचनाएँ। इन्हें अच्छे से याद कर लेना, एक-दो नंबर पक्के हो जाएंगे!

• बोर्ड परीक्षा में इस संबंध पर आधारित प्रश्न अक्सर आते हैं। उनके रिश्ते की गहराई को उदाहरणों के साथ स्पष्ट करना, जैसे कुश्ती या पूजा के पल, आपको पूरे अंक दिलाएगा।

• माँ के वात्सल्य से जुड़े प्रश्नों में आपको माँ की भावनाओं और उनके व्यवहार को विस्तार से समझाना होगा, सिर्फ घटनाओं को नहीं बताना।

• यह भाग भोलानाथ और उसकी माँ के रिश्ते, और तत्कालीन ग्रामीण जीवन को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। माँ द्वारा बच्चे को तैयार करने के तरीकों पर आधारित वर्णनात्मक प्रश्न परीक्षा में आ सकते हैं।

• यह अंश बोर्ड परीक्षा में 'ग्रामीण जीवन की झलक' या 'बच्चों की कल्पनाशीलता' पर आधारित प्रश्नों के लिए महत्वपूर्ण है। उदाहरणों को याद रखना।

• यह प्रसंग अक्सर वात्सल्य और बचपन की शरारतों से जुड़े प्रश्नों में उदाहरण के तौर पर पूछा जाता है। घटनाक्रम और उसके परिणामों को ध्यान से याद रखना।

• यह अंश माँ और बच्चे के भावनात्मक संबंध को दर्शाता है, बोर्ड परीक्षा में इस पर आधारित 'भाव स्पष्ट कीजिए' या 'संबंध का महत्व' वाले प्रश्न आ सकते हैं।

• बोर्ड परीक्षा में 'माता का आँचल' पर आधारित प्रश्न अक्सर प्रतीकात्मक अर्थ (symbolic meaning) पर पूछे जाते हैं। आपको माँ के प्यार, सुरक्षा और बच्चे पर उसके भावनात्मक प्रभाव को अपने शब्दों में स्पष्ट करना होगा।

एक नज़र में रिवीज़न

› शिवपूजन सहाय: जन्म 1893, भोलानाथ, देहाती दुनिया, असहयोग आंदोलन, मतवाला।

› भोलानाथ का पिता से गहरा, दोस्त जैसा आत्मीय संबंध; हर पल साथ रहते थे।

› माँ का वात्सल्य: भोजन कराने का विशेष ढंग, सुरक्षा की भावना।

› माँ भोलानाथ को तेल, काजल, फूलदार चोटी, रंगीन कुर्ता-टोपी से 'कन्हैया' बनाती थीं।
› भोलानाथ के बचपन के ग्रामीण खेल: मिठाई दुकान, घरौंदा, बारात, खेती।
› मूसन तिवारी को चिढ़ाना गुरु जी से पिटाई शरारत के परिणाम.
› साँप का डर, घायल बच्चे, माँ का आँचल - परम सुरक्षा.
› माँ का आँचल = असीम प्रेम, सुरक्षा और शांति का प्रतीक।